DAINIK JAGRAN, Lucknow, 4.7.2017
Page No. 1, Size:(8.36)cms X (9.39)cms.

वाह आधार, बच्चे को मिल गया बिछड़ा परिवार

संवाद सूत्र, कोथावां (हरदोई) : 'आधार' तो अब जिंदगी का आधार बन गया है और इसका कितना महत्व है यह लापता एक मूकबधिर बालक के परिवार तक पहुंच जाने से स्पष्ट हो रहा है।

बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के महुआ कोला गांव में द्रोण शुक्ला को चार माह पूर्व 15 वर्ष का मूकबधिर बालक मिला था। द्रोण शुक्ला उसे अपने घर ले आए। द्रोण ने उसका आधार बनवाने की सोची। इसके लिए वह एक सेंटर पर गए। वहां पता चला कि बच्चे का आधार पहले ही बन चुका है। पिन कोड डालते पता चला कि उसका नाम नितेश है और वह बिहार का रहने वाला है। मोबाइल नंबर न मिलने पर द्रोण ने घर वालों को चिट्ठी भेजी।

मिली खुशी

- भटककर बेनीगंज क्षेत्र में पहुंच गया था बिहार का बच्चा
- चार माह से माता-पिता से दूर था मूकबधिर बालक

परिवार के साथ नितेश (बाएं से तीसरा)

सूचना मिलते ही सोमवार को नितेश का परिवार द्रोण के यहां पहुंच गया।